इब्लीस कौन?

मौलाना मुहम्मद इमरान कासमी बिज्ञानवी.

तफसीर इब्ने कसीर "हिन्दी".

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

अल्लाह तआला सुरह बकरह २ आयत ३४ मे फरमाते हे - और जिस वकत हमने हुकम दिया फरिश्तो को (और जिन्नो को भी) की सजदे मे गिर जावो आदम के सामने, सो सब सजदे मे गिर पडे सिवाय इब्लीस के, उसने कहना न माना और गुरूर मे आ गया, और हो गया काफिरो मे से.

अल्लाह तआला सुरह अल अराफ ७ आयत ११,१२ मे फरमाते हे - और हमने तुमको पैदा किया, फिर हमने ही तुम्हारी सूरत बनाई, फिर हमने फरिश्तों से फरमाया कि आदम को सज्दा करो, सो सबने सज्दा किया सिवाय शैतान के, वह सज्दा करने वालों मे शामिल नहीं हुआ.

(अल्लाह ने) फरमाया, तू जो सज्दा नहीं करता, तुझको इससे कौनसी बात रूकावट हे, जबकि मे तुझको हुक्म दे चुका. कहने लगा, मे इससे बेहतर हूं, आपने मुझ को आग से पैदा किया हे

और इसको आपने मिट्टी से पैदा किया.

अल्लाह तआला सुरह अल-हिज्र १५ आयात २८-३३ मे फरमाते हे - और (वो वकत याद करने के काबिल हे) जब आपके रब ने फरिश्तो से फरमाया की मे एक बशर को बजती हुई मिट्टी से जो की सडे हुवे गारे से बानी होगी, पैदा करने वाला हु.

सो जब मे उसको पूरा बना चुकूं और उसमे अपनी तरफ से जान दाल दू तो तुम सब उसके सामने सजदे मे गिर पडना. सो सारे के सारे फरिश्तो ने सज्दा किया.

मगर इब्लीस ने (नहीं किया), उसने इस बात को कुबूल नहीं किया की सज्दा करने वालो मे शामिल हो.

(अल्लाह ने) फरमाया की ऐ इब्लीस! तुजको कौनसी बात सबब हुई की तू सज्दा करने वालो मे शामिल न हुवा.

कहने लगा मे ऐसा नहीं की बशर "आदमी" को सज्दा करू जिसको आपने बजती हुई मिट्टी से जो की सडे हुवे गारे की बानी हे, पैदा किया हे.

अल्लाह तआला सुरह बानी इस्राईल १७ आयात ६१-६२ मे फरमाते हे- और जबकि हमने फरिश्तो से कहा की आदम को सज्दा करो, सो उन सबने सज्दा किया मगर इब्लीस "यानी शैतान" ने (न किया और) कहा की क्या में ऐसे शख्स को सज्दा करू जिसको आपने मिट्टी से बनाया हे.

कहने लगा की इस शख्स को जो आपने मुझ पर फौकियत "यानी बरतरी" दी हे तो भला बताये (तो, खैर) अगर आपने मुजको कियामत के जमाने तक मोहलत दे दी तो में (भी) सिवाय थोडे से लोगो के इसकी तमाम औलाद को अपने बस में करूँगा.

अल्लाह तआला सुरह साद २३ आयत ७१-७६ मे फरमाते हे - जबकि आपके परवरदिगार ने फरिश्तों से इरशाद फरमाया कि मे गारे से एक इनसान (यानी उसके पुतले) को बनाने वाला हूं. सो मे जब उसको पूरा बना चुकू और उसमें अपनी (तरफ से) जान डाल दूं तो तुम सब उसके रू-ब-रू सज्दे मे गिर पडना. सो (जब अल्लाह तआला ने उसको बना लिया तो) सारे-के-सारे फरिश्तों ने (आदम को) सज्दा किया.

मगर शैतान ने, कि वह गुरूर मे आ गया और काफिरों मे से हो गया.
अल्लाह तआला ने फरमाया कि ऐ इब्लीस! जिस चीज़ को मेने अपने हाथों से बनाया, उसको सज्दा करने से तुझको कौन-सी चीज़ रूकावट हुई, क्या तू गुरूर मे आ गया (और हकीकत मे बडा नहीं हे), या यह कि तू (वाकई ऐसे) बडे दर्जे वालों मे हे.
कहने लगा कि (दूसरी वाली बात ही हे, यानी) मे आदम से बेहतर हूं.
(क्योंकि) आपने मुझको आग से पैदा किया हे और उस को (आदम अलै) खाक से पैदा किया हे.

अल्लाह तआला सुरह कहफ १८ आयत ५० मे फरमाते हे-
और जबकि हमने फरिश्तों को हुक्म दिया कि आदम के सामने सज्दा करो, सो सबने सज्दा किया, अलावा इब्लीस के, वह जिन्नों मे से था.
सो उसने अपने रबके हुक्म को न माना. सो क्या फिर भी तुम उसको और उसके पैरोकारों को दोस्त बनाते हो मुझको

छोडकर, हालांकि वे तुम्हारे दुश्मन हैं.
ये जालिमों के लिए बहुत बुरा बदला हे.

सुरह कहफ इस आयत से साबित होता हे की इब्लीस जिन्न था. (फरिश्ता नहीं था)

जिन्नात को इख्तियार हे के वो इन्सान की तरह अल्लाह के हुकम की फरमाबरदारी करे या नाफरमानी करे.
फरिश्तो को ये इख्तियार नहीं हे उन्हें हमेशा अल्लाह की फरमाबरदारी ही करनी हे.
इसलिए फरिश्तो का अल्लाह की नाफरमानी करने का सवाल ही पैदा नहीं होता.
इससे पक्का साबित होता हे के इब्लीस जिन्न था और फरिश्ता नहीं था.